भारत के पास अधिक गेहूँ निर्यात करने का अवसर

रूस-यूक्रेन संघर्ष भारत को वैश्विक बाज़ारों में अधिक गेहूँ के निर्यात का अवसर दे सकता है।

प्रमुख बिंदु:

- विश्व में एक-चौथाई से अधिक गेहूँ का निर्यात रूस तथा यूक्रेन द्वारा किया जाता है।
  - **रूस गेहूँ का विश्व का सबसे बड़ा निर्यातक** है, जिसका अंतर्राष्ट्रीय निर्यात में लगभग 18% से अधिक का योगदान है।
  - वर्ष 2019 में **रूस तथा यूक्रेन द्वारा विश्व के एक-चौथाई (25.4%) से अधिक गेहूँ** का निर्यात किया गया है।
- सबसे अधिक डॉलर मूल्य के गेहूँ का निर्यात करने वाले शीर्ष पाँच देशों में **रूस> संयुक्त राज्य अमेरिका> कनाडा> फ्राँस> यूक्रेन** शामिल हैं।
- मिस्र दुनिया में गेहूँ का सबसे बड़ा आयातक है।
- तुर्की सबसे ज़्यादा गेहूँ की खरीद रूस और यूक्रेन से करता है, तुर्की द्वारा वर्ष 2019 में 74% आयात इन दोनों देशों से किया गया था।
- विश्व के कुल गेहूँ उत्पादन में लगभग 13.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत दूसरा बड़ा गेहूँ उत्पादक देश है।
  - भारत द्वारा सालाना लगभग 107.59 मीट्रिक टन गेहूँ का उत्पादन किया जाता है, जबकि इसके एक बड़े हिस्से का उपयोग घरेलू खपत में किया जाता है।
  - विश्व गेहूँ निर्यात में भारत का योगदान 1% से भी कम है। हालाँकि वर्ष 2016 में इसका हिस्सा 0.14% था जो वर्ष 2020 में बढ़कर 0.54% हो गया है।
- वर्तमान में भारत का केंद्रीय पूल (Central Pool) 24.2 मिलियन टन है, जो बफर और रणनीतिक ज़रूरतों से दोगुना अधिक है।

गेहूँ से संबंधित प्रमुख बिंदु:

- **गेहूँ के बारे में:**
  - यह चावल के बाद भारत में दूसरी सबसे महत्त्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है।
  - यह देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भाग की मुख्य खाद्यान्न फसल है।
  - गेहूँ रबी की एक फसल है जिसे पकने के समय ठंडे मौसम और तेज़ धूप की आवश्यकता होती है।
  - हरित क्रांति की सफलता ने रबी फसलों विशेषकर गेहूँ के विकास में योगदान दिया।
  - कृषि हेतु मैक्रो मैनेजमेंट मोड, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना गेहूँ की खेती को समर्थन प्रदान करने के लिये कुछ सरकारी पहलें हैं।
- **तापमान:** तेज़ धूप के साथ 10-15 डिग्री सेल्सियस (बुवाई के समय) और 21-26 डिग्री सेल्सियस (पकने व कटाई के समय) के बीच।
- **वर्षा:** लगभग 75-100 सेमी.।
- **मृदा का प्रकार:** अच्छी तरह से सूखी उपजाऊ दोमट और चिकनी दोमट (गंगा-सतलुज मैदान तथा दक्कन का काली मिट्टी क्षेत्र)।
- **शीर्ष गेहूँ उत्पादक राज्य: उत्तर प्रदेश> पंजाब> हरियाणा> मध्य प्रदेश>> राजस्थान> बिहार> गुजरात**।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-has-the-opportunity-to-export-more-wheat